वर्धमान दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का 2553 वां निर्वाण महोत्सव मनाया, चढ़ाया निर्वाण लाडू



पिपलिया स्टेशन (निप्र)। दीपावली के पावन अवसर पर पिपलिया मंडी स्थित वर्धमान दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का 2553 वां निर्वाण महोत्सव (मोक्ष कल्याणक) श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। संदीप गर्ग ने बताया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। समाजजनों ने भगवान महावीर स्वामी के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। जैन धर्म की मान्यता के अनुसार कार्तिक कृष्ण अमावस्या की रात्रि को भगवान महावीर स्वामी ने बिहार के पावापुरी में निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया था। इसी पावन प्रसंग की स्मृति में प्रतिवर्ष दीपावली पर जैन समाज द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है। जैन दर्शन में निर्वाण का अर्थ आत्मा का समस्त कर्म बंधनों से मुक्त होकर सिद्ध अवस्था को प्राप्त करना है। निर्वाण प्राप्त आत्मा जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव भी मनाया गया।

कनघट्टी में रेगर समाज का दीपावली मिलन समारोह संपन्न, बाबा साहब को किया नमन



पिपलिया स्टेशन (निप्र)। ग्राम कनघट्टी में रेगर समाज द्वारा दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के सभी समाजजन बाबा रामदेव मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। यहां एक-दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। समाजजनों ने माता लक्ष्मी से प्रार्थना की कि सभी के घर-आंगन धन-धान्य एवं खुशियों से परिपूर्ण रहें तथा प्रकाश पर्व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता लेकर आए। इस दौरान उपस्थितजनों को मिठाई वितरित कर पर्व की खुशियां साझा की गईं। इसके पश्चात सभी समाजजन संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर चौराहे पर पहुंचे, जहां बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। सामाजिक एकता एवं आपसी भाईचारे के संदेश के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर समाज के प्रमुख मनेष बकोलिया, समरथमल कांसोटिया, दिलीप मांदोरिया, समरथमल बकोलिया, देवप्रकाश बकोलिया, राकेश पलिया, मोहनलाल हिण्डोनिया, राजमल कांसोटिया, केसरीमल जाबड़ोलिया, अशोक कुमार नुवाल, प्रभुलाल नुवाल, गणेश जाबड़ोलिया, बाबूलाल जाबड़ोलिया, तेजपाल नुवाल, रमेश हिण्डोनिया, प्रवीण बकोलिया, शैलेंद्र जाबड़ोलिया, पुखराज मांदोरिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। जानकारी समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक समरथमल कांसोटिया ने दी।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती को कर रहे थे प्रताड़ित, परेशान होकर सल्फास खाकर दी जान

मंदसौर। मंगलवार को यशोधर्मन नगर थाना क्षेत्र के धारियाखेड़ी गांव में 19 वर्षीय युवती मदीना द्वारा सल्फास का सेवन कर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इकबाल नामक युवक पर युवती को प्रताड़ित करने और उसका अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि लगातार मिल रही धमकियों और प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने सल्फास का सेवन कर लिया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवती को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां देर शाम उसकी मौत हो गई । शव का पीएम बुधवार सुबह होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जगमग रोशनी से सराबोर हुआ शाजापुर, दीपों के पर्व पर रंगोली से दिया गौसेवा का अनूठा संदेश

शाजापुर। दीपों और खुशियों का महापर्व दीपावली जितेभर में अपार श्रद्धा, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। एक ओर जहां पूरा शहर घरों की सजावट, दीपमालाओं की जगमगाहट और पटाखों की गूंज से सराबोर नजर आया, वहीं इस बार दीपोत्सव पर सनातन संस्कृति और गौसेवा का एक बेहद खास संदेश भी दिया गया। गौरक्षा सेना ने अपनी कलात्मक रंगोली के जरिए इस महापर्व को एक नया और प्रेरणादायक स्वरूप प्रदान किया। पर्व को लेकर अलसुबह से ही बाजारों में खासी रौनक देखने को मिली और दुकानें पूरी तरह से सज-धज कर तैयार थीं। महिलाओं और युवतियों ने अपने घरों व प्रतिष्ठानों की दहलीज पर सतरंगी रंगोलियां सजाईं। गोधूलि बेला और शुभ मुहूर्त में व्यापारियों सहित आमजन ने स्वस्तिक और श्रीयंत्र के साथ महालक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि व वैभव की कामना की। शहर के तालाब की पाल स्थित एकमात्र गजलक्ष्मी मंदिर में भी विशेष पूजा-पाठ का दौर चला। महापूजा के बाद बच्चों से लेकर उम्रदराज लोगों तक ने जमकर आतिशबाजी की लुत्फ उठाया, जिससे देर रात तक आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से दमकता रहा।

गौमाता बचेगी तो देश बचेगा

दीपावली के इस पावन अवसर पर गौरक्षा सेना शाजापुर ने अपनी 17 वर्षों की अनवरत सेवा भावना को समाज के सामने एक अनूठे रूप में प्रस्तुत किया। संगठन के संस्थापक धर्मेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में नगर सचिव चिंटू परमार द्वारा एक अद्भुत और आकर्षक रंगोली बनाई गई। इस रंगोली में गौमाता के खंडोल पर भगवान शिव के शिवलिंग की सुंदर आकृति उकेरी गई।

पूर्व शिक्षा अधिकारी की मां को लगी गोली, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा, गोली कैसे चली जांच में जुटी पुलिस

शाजापुर। शहर के शरद नगर में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी की 79 वर्षीय मां की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है, लेकिन गोली कैसे, क्यों और किन परिस्थितियों में चली? यह सवाल अब भी एक बड़ा रहस्य बना हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और फोरेंसिक टीम की मदद से इस सनसनीखेज घटना की तह तक जाने में जुट गई है।



छोटे बेटे के घर गई थीं, कंधे पर लगी गोली

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 79 वर्षीय मृतका उषा दुबे अपने बड़े बेटे विवेक दुबे के साथ रहती थीं। रविवार दोपहर करीब 12 बजे वह दीपावली की साफ-सफाई और तैयारियों के सिलसिले में अपने छोटे बेटे विजय दुबे के घर गई हुई थीं। शरद नगर में दोनों भाइयों के मकान आसपास ही स्थित हैं। छोटे बेटे के घर पर ही अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में उनके कंधे के पास गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल और लहूलुहान अवस्था में उषा दुबे को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल सील, हर एंगल से हो रही जांच

घटना की भनक लगते ही एसडीओपी कीर्ति बघेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए उस कमरे को तुरंत सील कर दिया है, जहां यह गोलीकांड हुआ। मौके पर बुलाई गई फोरेंसिक टीम ने फिंगरप्रिंट, गन पाउडर के अंश और अन्य महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की बारीकी से पड़ताल कर रही है।

जांच के बाद ही साफ होगी तस्वीर

एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि लालघाटी थाना क्षेत्र के शरद नगर में गोली चलने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। उषा दुबे की मौत गोली लगने के कारण ही हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की जा चुकी है। फिलहाल मौत के असल कारणों और गोली चलने की सटीक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पेड़ हमें समर्पण भाव सिखाते हैं, उनकी देखरेख नवजात बच्चे की तरह करना चाहिए - डॉ. कछावा

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। आरोग्य भारती के तत्वावधान में मंदसौर में सीतामऊ रोड स्थित परिसर में आरोग्य वाटिका का भूमिपूजन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आरोग्य भारती के प्रांत अध्यक्ष डॉ. विष्णुसेन कछावा ने कहा कि पेड़ हमें समर्पण का भाव सिखाते हैं।



पेड़ जीवनभर हमें फल, छाया और शुद्ध वातावरण प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, मृत्यु के बाद भी लकड़ी के रूप में उपयोगी बने रहते हैं। उनका जीवन हमें निस्वार्थ भाव से दूसरों के लिए जीने की प्रेरणा देता है। डॉ. कछावा ने कहा कि पेड़ लगाना आसान है, लेकिन उनकी देखरेख करना नवजात बच्चे के पालन-पोषण के समान है। पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण आवश्यक है। पेड़ों में देवताओं का वास माना गया है, इसलिए हमें उनके प्रति श्रद्धा और आदर का भाव रखना चाहिए। जिला संरक्षक डॉ. जवाहरसिंह मंडलोई ने अशोक कुमठ ने बताया कि आरोग्य भारती की प्रेरणा से मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से आरोग्य वाटिका विकसित करने का संकल्प लिया गया है। वाटिका में गृह-नक्षत्रों के अनुसार आम, नीम, जामुन, आंवला, गिलोय, अनार, अमरूद सहित विभिन्न औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए जाएंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष डॉ. राजेश बोराना ने दिया, जबकि जिला संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सूर्यवंशी, पूर्व जिला आयुष अधिकारी डॉ. कमलेश धनोनिया, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमावत, मनीष चौधरी एवं डॉ. मंडलोई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती बन्दू भूत व डॉ. किशोर शर्मा ने किया। आभार अशोक कुमठ ने माना। सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं आरोग्य भारती के सदस्य उपस्थित रहे।

सतगांव की मां नर्मदा गौशाला में विधायक भीमावद ने की गोवर्धन पूजा

शाजापुर। समीपस्थ ग्राम सतगांव स्थित मां नर्मदा गौशाला में सोमवार को विधायक अरूण भीमावद ने विधि-विधान के साथ गोवर्धन पूजा की। इस दौरान उन्होंने गौमाता का पूजन कर जिलेवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं कल्याण की कामना की। विधायक भीमावद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गोवर्धन पूजा को शासकीय स्तर पर मनाने की पहल का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को प्रोत्साहन देने के साथ समाज को गौसेवा और गौसंरक्षण से जोड़ना है। शासन द्वारा गौशालाओं के निर्माण एवं संचालन के लिए आर्थिक सहयोग दिया जाता है, लेकिन समाज की सहभागिता से ही इनका बेहतर संचालन संभव हो रहा है। विधायक ने पुरानी व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में एक-एक परिवार के पास 10 से 20 तक गायें होना सामान्य बात थी, जबकि कई परिवारों के पास 50 या उससे अधिक गाय-भैंस भी होती थीं। पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार था।



दूध उत्पादन से परिवारों को हर 7 से 10 दिन में नियमित आमदनी प्राप्त होती थी, जिससे घरेलू खर्च पूरे होते थे और खेती की आय बड़े कार्यों में उपयोग होती थी। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि समय के साथ पशुपालन में कमी आई है। गोचर भूमि की उपलब्धता में कमी सहित कई कारणों से परंपरागत गोपालन प्रभावित हुआ है। हमें पुनः गोपालन को बढ़ावा देने और गौवंश के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। शासन की भी यही मंशा है कि सरकार के साथ समाज भी आगे आकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बने। उन्होंने गौशालाओं को सामाजिक सहभागिता का केंद्र बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों से गौसेवा से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर एसडीएम मनीषा वास्केले सहित अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कब्रिस्तान की जमीन विवाद पर खूनी संघर्ष, हथियारबंद भीड़ ने घर को घेरा

शाजापुर। जिले के ग्रामीण अंचल टपका में कब्रिस्तान की भूमि को लेकर सुलग रहा विवाद बड़े हिंसक संघर्ष में तब्दील हो गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि करीब सौ लोगों की हथियारबंद भीड़ ने एकराय होकर उनके घर पर धावा बोल दिया। जान बचाने के लिए परिवार को भारी जद्दोजहद करनी पड़ी और इस खौफनाक मंजर में परिवार के कई सदस्य घायल हो गए हैं। अब पीड़ितों ने पुलिस और प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर न्याय की गुहार लगाई है।

सुनियोजित साजिश के तहत किया गया हमला

पीड़ित पक्ष के अनुसार, घटना वाले दिन बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडों, पत्थरों और धारदार हथियारों से लैस होकर उनके घर के बाहर एकत्र हो गए। परिवार का आरोप है कि यह कोई अचानक हुआ विवाद नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया जानलेवा हमला था। हमलावरों ने घर को चारों ओर से घेर लिया और भीतर घुसने का प्रयास किया। इस दौरान हमलावरों द्वारा घर में जमकर तोड़फोड़ और मारपीट की गई, जिससे घर के भीतर दहशत फैल गई।

जान बचाने के लिए विवश होकर किया बचाव

हमले से बचने के लिए परिवार के कुछ सदस्य घर के भीतर छिप गए, जबकि कुछ ने छत पर शरण ली। पीड़ितों का कहना है कि जब नीचे से भीड़ का हमला तेज हुआ और घर में घुसने की कोशिश की गई, तो अपनी जान बचाने के लिए छत पर मौजूद लोगों को विवश होकर बचाव में पत्थर फेंकने पड़े। परिवार की मांग है कि पुलिस प्रशासन इस पूरी परिस्थिति का आकलन आत्मरक्षा के दृष्टिकोण से भी करे।

एक ही परिवार के कई सदस्य हुए लहूलुहान

इस भयानक हमले में एक ही परिवार के कई सदस्य चोटिल हुए हैं। घायलों में बंटी उर्फ अलादीन, नईमुद्दीन उर्फ सरफुद्दीन, दिलशाद उर्फ सरफुद्दीन, भूरी बी पति शहबुद्दीन, फखरुद्दीन खान पिता शमशाद खान और शमशाद खां शामिल हैं।

नीलगाय की समस्या दूर करने में विफल सरकार

दुर्घटना में मृतकों और घायलों को मिलने वाली 4 लाख की सहायता भी बंद, कांग्रेस ने आर्थिक सहायता योजना पुनः शुरू करने की मांग की

, पिपलिया स्टेशन (निप्र)। जिले में नीलगाय (रोजड़ों) की बढ़ती संख्या किसानों और आमजन के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। खेतों में विचरण कर नीलगाय फसलों को 40 से 60 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा रही हैं, वहीं सड़कों पर इनकी आवाजाही से आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।



कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार नीलगाय की समस्या का स्थायी समाधान करने में विफल रही है। अब सरकार ने नीलगाय सहित वन्यप्राणियों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों के परिजनों और घायलों को मिलने वाली आर्थिक सहायता भी बंद कर दी है। इस संबंध में जिला कांग्रेस के महासचिव अनिल शर्मा, प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त सचिव मुकेश निडर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, छोटेलाल सैनी, भेरूपण्य गुर्जर और प्रहलाद पाटीदार सहित कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला वन अधिकारी संजय रायखेरे से मुलाकात कर नीलगाय की समस्या के समाधान और बंद की गई आर्थिक सहायता योजना को पुनः शुरू करने की मांग की।

नेताओं ने बताया कि शासन द्वारा पहले वन्यप्राणियों के कारण जनहानि होने पर पीड़ित परिवारों को क्षतिपूर्ति राशि देने का प्रावधान था। लेकिन मोहन सरकार ने आदेश जारी कर नियमों में बदलाव कर दिया। इसके तहत अब किसी वाहन या मोटरसाइकिल से वन्यप्राणी के टकराने के कारण होने वाली दुर्घटना में व्यक्ति की मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता देने का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। ऐसे प्रकरणों को प्रारूप-05 में निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला वन अधिकारी संजय रायखेरे ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि मल्हारगढ़ क्षेत्र में नीलगाय (रोजड़ों) की समस्या के समाधान के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत 3, 5 और 7 किलोमीटर की परिधि में आने वाले गांवों को चिन्हित किया गया है। योजना के अंतर्गत नीलगाय को बोमा पद्धति से पकड़कर गांधीसागर अभयारण्य में छोड़ने की तैयारी है। तीन किलोमीटर की परिधि में मुंदड़ी, बादरी, काचरिया चंद्रावत, चावली, गुडभेली, नालखेड़ा, बरखेड़ा जयसिंह, खेड़ा, डुंगलावदा, नाणाखेड़ा, गर्गावद, नागर पिपलिया, तलाव पिपलिया और सोनगरा गांव शामिल हैं।

नीम चौक पर पटाखे फोड़ने को लेकर विवाद, नारायणगढ़ पुलिस पर मारपीट का आरोप, देर रात ग्रामीणों ने थाने पर किया प्रदर्शन

नारायणगढ़ (निप्र)। नारायणगढ़ के नीम चौक पर दीपावली के अवसर पर पटाखे फोड़ने को लेकर विवाद हो गया। मामले में पुलिसकर्मियों पर युवकों के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगे हैं।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। देर रात करीब दो बजे तक ग्रामीणों ने नारायणगढ़ थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। फरियादी दीपक पिता गणपतलाल पाटीदार (24) निवासी नारायणगढ़ ने संदीप पिता सत्यनारायण पाटीदार (24), नरेंद्र पिता प्रकाशचंद्र पाटीदार (28) एवं बलराम पिता किशोर पाटीदार (26) के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। आवेदन के अनुसार 10 नवंबर की रात करीब 8 बजे नीम चौक पर दीपावली के अवसर पर पटाखे फोड़ने का कार्यक्रम चल रहा था। मौके पर मोहल्ले के करीब 150 से 200 लोग मौजूद थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों की ओर किसी ने जलता हुआ पटाखा फेंक दिया। इस बात को लेकर सहायक उपनिरीक्षक बाबूलाल डामोर ने दीपक को बुलाकर गाली-गलौज की। कुछ देर बाद पुलिस की ओर रॉकेट छोड़े जाने से आरक्षक आनंद मालवीय के हाथ पर लगने की बात सामने आई। इसके बाद आनंद मालवीय सहित दो-तीन पुलिसकर्मियों पर युवकों के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में सूरज पिता दशरथ गुर्जर के साथ झूमाझपटी करने तथा अजय प्रजापति और आरक्षक भानुप्रताप सिंह पर कार से मौके पर पहुंचकर युवकों को पकड़कर थाने ले जाने और वहां भी मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। वहीं नेता श्यामलाल जोकचंद ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नारायणगढ़ की घटना को निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन इसके नाम पर आम नागरिकों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोपित पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित कर निष्पक्ष जांच कराने तथा दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि समय रहते न्यायोचित कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। बताया गया कि देर रात थाना प्रभारी राजेंद्र पंवार ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर मामला शांत कराया। फिलहाल घटना को लेकर पुलिसकर्मियों पर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग उठ रही है।